Dogri Programme from Srinagar T. V. Station

1485. DR. KARAN SINGH: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the 15-minute a week Dogri telecast from Srinagar TV has been discontinued; and

(b) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

तारापुर परमाणु बिजलीघर

1486. **श्री बीरेन्द्र प्रसाद :**

श्री अरविन्द वाला पजनौर :

क्या **परमाणु ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) तारापुर परमाणु बिजली घर को आत्म-निर्भर बनाने के लिये सरकार द्वारा क्या कार्यवाही करने का प्रस्ताव है; और

(ख) यदि हां, तो इस दिशा म अब तक क्या कार्यवाही की गई है ?

प्रधान मंत्री (श्री मोरारजी देसाई): (क) से (ख). तारापुर परमाणु बिजलीघर के कार्यकलाप में काफी हद तक आत्म-निर्भरता आ चुकी है । तारापुर परमाणु बिजलीघर के लिए आयात किये जाने वाले ईंधन का विकल्प ढूंढ निकालने का प्रयास निरन्तर किया जा रहा है । इस दिशा म उठाये गये कदम हैं—संशोधित डिजायन के अनुरूप उपयुक्त न्यूक्लीय ईंधन का निर्माण और अनेक अतिरिक्त पुर्जों का निर्माण देश में ही करना । वैकल्पिक ईंधन के प्रौद्योगिक और आर्थिक पहलुओं का अध्ययन भी किया जा रहा है । बिजलीघर के प्रचालन का सारा काम और अनुरक्षण एवं मरम्मत संबंधी लगभग सभी काम तारापुर परमाणु बिजलीघर के भारतीय कार्मिकों द्वारा किए जाते हैं ।

ऊर्जा के उपयोग के बारे में बैठक

1487. **श्री राम सेवक हजारी :** क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के वाणिज्य तथा उद्योग संघों द्वारा मई, 1978 में दिल्ली में कृषि और उद्योग के संवर्धन के लिये ऊर्जा के उपयोग के बारे में आयोजित बैठक में निर्णयों को शीघ्र करने, विलम्ब को खत्म करने और इस प्रयोजनार्थ ऊर्जा के सभी साधनों का नियमित उपयोग करने में सहायता देने हेतु ऊर्जा-विज्ञान मंत्रालय की स्थापना करने हेतु कोई प्रस्ताव किया गया था ; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार द्वारा इस प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री पी० रामचन्द्रन) : (क) सम्मेलन ने ऊर्जा विज्ञान मंत्रालय की स्थापना करने का प्रस्ताव सरकार से नहीं किया है । परन्तु, सम्मेलन के एक वक्ता ने यह विचार व्यक्त किया था कि कोयला, तेल, बिजली और न्यूक्लीय शक्ति विभागों से युक्त "ऊर्जा-विज्ञान" नामक एक मंत्रालय बनाने से शीघ्र निर्णय लेना तथा कार्यान्वयन में होने वाली देरियों से बचना सुनिश्चित हो सकेगा ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।